https://www.ccsustudy.com

N (Printed Pages 7)

(20317) Roll No..................

B.A.- I Year (Regular)

RUS-4889

B.A. Annual (Regular) Examination, 2017

(For Regular Students Only)

HINDI-II

(हिन्दी नाटक एवं रंगमंच)

(A-114)

(Unified Syllabus)

Time : Three Hours] *[Maximum Marks : 50*

नोट : **प्रथम** प्रश्न **अनिवार्य** है। **सभी** भागों का उत्तर दीजिये। शेष प्रश्न-पत्र **चार** इकाइयों में विभाजित है। प्रत्येक इकाई के प्रश्नों का उत्तर दिये गये निर्देश के अनुसार दीजिए। कुल **पाँच** प्रश्न हल करने हैं।

1. सभी प्रश्नों के लघु उत्तर दीजिएः 2×10=20

   (i) नाटक एवं रंगमंच के सम्बन्ध को स्पष्ट कीजिए।

   (ii) 'वैदिकी हिंसा हिंसा न भवति' नाटककार का नाम बताइए।

P.T.O.

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

   (iii) हरिकृष्ण प्रेमी के दो सामाजिक नाटकों के नाम लिखिए।

   (iv) लक्ष्मी नारायण मिश्र के दो एकांकी संग्रहों के नाम लिखिए।

   (v) धर्मवीर भारती का जन्म कब और कहाँ हुआ।

   (vi) सीमा रेखा एकांकी में चारों भाइयों और उनकी पत्नियों के विचार एक दूसरे से भिन्न क्यों हैं?

   (vii) कोमा के अनुसार स्त्रियों को प्रेम करने के अपराध का क्या दण्ड दिया जाता है?

   (viii) ध्रुवस्वामिनी नाटक की कथावस्तु का स्रोत क्या है?

   (ix) आधे-अधूरे नाटक की नायिका कौन है, उसके चरित्र की दो विशेषताएं लिखिए।

   (x) आधे-अधूरे नाटक के नायक का नाम एवं उसके चरित्र की दो विशेषताएं बताइए।

इकाई-एक

2. निम्नलिखित गद्यावतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिएः 4

   (i) कितना अनुभूतिपूर्ण था वह एक क्षण का आलिंगन। कितने संतोष से भरा था। नियति ने अज्ञात भाव से

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

मानो लू से तपी हुई वसुधा को क्षितिज के निर्जन से सायंकालीन शीतल आकाश से मिला दिया हो। जिस वायुविहीन प्रदेश में उखड़ी हुई साँसों पर बन्धन हो-अर्गला हो, वहाँ रहते-रहते, यह जीवन असह्य हो गया था। 4

अथवा

प्रणय, प्रेम! जब सामने से आते हुए तीव्र आलोक की तरह आंखों में प्रकाश पुंज उड़ेल देता है, तब सामने की सब वस्तुएँ और भी स्पष्ट हो जाती हैं। अपनी ओर से कोई भी प्रकाश की किरण नहीं। तब वही, केवल वही! हो पागलपन; भूल हो; दुःख मिले। उसमें चूकना, उसमें सोच-समझकर चलना, दोनों बराबर हैं।

(ii) क्योंकि मुझे नहीं लगता है कि----कैसे बताऊँ, क्या लगता है? वह जितने विश्वास के साथ यह बात कहता है, उससे......... उससे मुझे अपने से एक अजब सी चिढ़ होने लगती है। मन करता है.......

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

मन करता है आसपास की हर चीज को तोड़-फोड़ डालूँ। कुछ ऐसा कर डालूँ जिससे------ 4

अथवा

यूँ तो जो कोई भी एक आदमी की तरह चलता फिरता, बात करता है, वह आदमी ही होता है........। पर असल में आदमी होने के लिए क्या जरूरी नहीं कि उसमें अपना एक माद्दा अपनी एक शख्सियत हो!

इकाई-दो

3. निम्नलिखित गद्यावतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिएः

(i) कविता तुम्हारे सूने दिलों में संगीत भरती है। स्त्री भी ऊबे हुए मन को बहलाती है। पुरुष जब जीवन की सूखी चट्टानों पर चढ़ता-चढ़ता थक जाता है- 'चलो थोड़ा मन बहलाव ही कर लें'। स्त्री पर अपना सारा प्यार, अपने सारे अरमान निछावर कर देता है; मानो दुनिया में और कुछ हो ही नहीं! 4

अथवा

हमें भी कैद में समझो, बेटी! हमारे गुनाहों ने हमें चारों तरफ से घेर रखा है। जमीर की जंजीरों ने भी हमारे

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

हाथ पैर बांध लिए हैं। हम अब इस दुनिया को आँख उठाकर नहीं देख सकते। जिस सल्तनत को खून से सींच-सींचकर हमने बड़ा किया है, उसे अगर अब आंसुओं से भी सींचना चाहें तो एक पूरी जिन्दगी चाहिए।

(ii) हाँ, हाँ, शादी को ही लीजिए, आप मानते है कि हर एक आदमी को जाति की जिन्दगी में दाखिल होना जरूरी है। जैसा मैं प्रायः कहता हूँ कि दुनिया साझे की दुकान है और हर एक बालिग आदमी का कर्तव्य है कि उसका साझेदार हो। अगर इस कोशिश में आप अपनी जान नहीं खपा देते, तो आप मनुष्य कहलाने का कोई हक नहीं रखते। 4

अथवा

बेटा बड़प्पन बाहर की वस्तु नहीं-बड़प्पन तो मन का होना चाहिए और फिर बेटा घृणा को घृणा से नहीं

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

मिटाया जा सकता। बहू तभी पृथक होना चाहेगी जब उसे घृणा के बदले घृणा दी जायेगी, लेकिन यदि घृणा के बदले उसे स्नेह मिले हो उसकी समस्त घृणा धुंधली पड़कर अवश्य लुप्त हो जायेगी और महानता भी बेटा, किसी से मनवायी नहीं जा सकती।

इकाई-तीन

4. निम्नलिखित प्रश्न का विस्तृत उत्तर दीजिए। 7

ध्रुवस्वामिनी नाटक के आधार पर नाटक की नायिका का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा

'आधे-अधूरे' नाटक के सन्दर्भ में मोहन राकेश की नाट्य कला की समीक्षा कीजिए।

इकाई-चार

5. निम्नलिखित प्रश्न का विस्तृत उत्तर दीजिए। 7

एकांकी कला के तत्वों के आधार पर 'नये मेहमान' एकांकी की समीक्षा कीजिए।

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

अथवा

डॉ. रामकुमार वर्मा का एकांकी के विकास में स्थान निर्धारित कीजिए।

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com
Whatsapp @ 9300930012
Send your old paper & get 10/-
अपने पुराने पेपर्स भैजे और 10 रुपये पार्ये,
Paytm or Google Pay से

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

N (Printed Pages 7)

(20317) Roll No.................

B.A.-I Year (Private)

PUS-4888

B.A. (Annual) Private Examination, 2017

(For Private Students Only)

HINDI -I

(प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य)

(A-113)

(Unified Syllabus)

Time : Three Hours] *[Maximum Marks : 50*

https://www.ccsustudy.com

नोट : इस प्रश्न-पत्र को **पाँच** खण्डों-अ, ब, स, द तथा इ में विभाजित किया गया है। खण्ड-अ **(लघु उत्तरीय प्रश्न)** में एक **लघु उत्तरीय प्रश्न** है, जिसके **दस** भाग हैं। ये **सभी दस** भाग **अनिवार्य** हैं। खण्डों-ब, स, द तथा इ **(विस्तृत उत्तरीय प्रश्न)** है। प्रत्येक को निर्देशानुसार करना है। विस्तृत उत्तर अपेक्षित है।

P.T.O.

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

खण्ड - अ

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'अ' **(लघु उत्तरीय प्रश्न)** में एक लघु उत्तरीय प्रश्न हैं, जिसके **दस** भाग हैं। ये **सभी** दस भाग **अनिवार्य** हैं। प्रत्येक भाग **दो** अंकों का है।

1. **सभी** प्रश्नों के लघु उत्तर दीजिए: 2×10=20

(i) चन्दबरदाई का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

(ii) सरहपा किस काल के कवि थे? उनकी रचना का नाम लिखिए।

(iii) मीराबाई का जन्म कहाँ हुआ? उनके गुरू का नाम बताइये।

(iv) अमीर खुसरो के गुरू कौन थे? उनका गुरू के प्रति कैसा भाव था?

(v) 'संतो भाई आई ग्यान की आंधी' से कबीर का क्या तात्पर्य है?

(vi) 'संतत भक्त मीत हितकारी' की पुष्टि के लिए सूर ने कौन-कौन सी पौराणिक कथाओं का उल्लेख किया है?

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

(vii) वन जाते समय राम ने अयोध्या और उसके निवासियों को कैसे त्याग दिया?

(viii) बिहारी किस काल के कवि थे? उन्होंने किस भाषा में अपना काव्य लिखा?

(ix) बादल का 'परजन्य' नाम किस प्रकार सार्थक है?

(x) कवि भूषण के मुख्य आश्रयदाताओं के नाम लिखिए।

खण्ड - ब, स, द एवं इ

(विस्तृत उत्तरीय प्रश्न)

नोट : सभी खण्डों के निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।

खण्ड - ब

2. निम्नलिखित पद्यांशों से किन्हीं **दो** की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिएः 4×2=8

(i) राम रसांइण प्रेम रस, पीवत अधिक रसाल।
कबीर पीवण दुलभ है, माँगे सीस कलाल।।
कबीर भाठी कलाल की, बहुतक बैठे आइ।
सिर सौंपै सोई पिबै, नहीं तो पिया न जाइ।।

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

(ii) लागी केलि करै मझ नीरा। हंस लजाइ बैठ ओहि तीरा।।
पदमावति कौतुक कहँ राखी। तुम ससि होहु तराइन्ह साखी।।
बाद मेलि कै खेल पसारा। हार देइ जो खेलत हारा।।
सँवरिहि साँवरि, गोरिहि गोरी, आपनि आपनि लीन्ह सौ जोरी ।।
बूझि खेल खेलहु एक साथा। हार ना होइ पराए हाथा।।
आजुहिं खेल बहुरि कित होई। खेल गए कित खेलै कोई?।।
धनि सो खेल खेल सह पेमा। रउताई औ कूसल खेमा?।।
मुहमद बाजी पेम के, ज्यों भावै त्यौं खेल।
तिल फूलहि के सँग ज्यों, होइ फुलायल तेल।।

(iii) रावरे दोष न पायँन को, पग धूरि को भूरि प्रभाउ महा है।
पाहन तें बन-बाहन काठ को कोमल है, जल खाइ रहा है।।
पावन पायँ पखारि कै नाव चढ़ाइहौं, आयसु होत कहा है?
'तुलसी' सुनि केवट के बर बैन हँसे प्रभु जानकी ओर हहा है।।

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

खण्ड - स

3. निम्नलिखित पद्यांशों से किन्हीं **दो** की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिएः 4×2=8

(i) मोहनि मूरति स्याम की, अति अद्भुत गति जोइ।
बसतु सु चित-अंतर, तऊ प्रतिबिंबित जग होइ।।
तजि तीरथ, हरि-राधिका-तन-दुति करि अनुरागु।
जिहिं ब्रज-केलि-निकुंज-मग, पग पग होत प्रयागु।।

(ii) हीन भएँ जल मीन अधीन कहा कछु मो अकुलानि समानै।
नीर सनेही कों लाय कलंक निरास है कायर त्यागत प्रानै।।
प्रीति की रीति सु क्यौं समझै जड़, मीत के पानि परे कों प्रमानै।
या मन की जु दसा घनआनँद जीवन की जीवनि जान ही जानै।।

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

(iii) ऊँचे घोर मंदर के अंदर रहन बारी,
ऊँचे घोर मंदर के अंदर रहाती हैं।
कंद मूल भोग करैं कंद मूल भोग करैं,
तीनि बेर खातीं ते वै तीनि बेर खाती हैं।
भूषन सिथिल अंग, भूषन सिथिल अंग,
बिजन डुलातीं ते वै बिजन डुलाती हैं।
भूषन भनत सिवराज बीर तेरे त्रास,
नगन जड़ातीं ते वै नगन जड़ाती हैं।

खण्ड - द

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी **एक** का विस्तार से उत्तर दीजिएः 7×1=7

(i) कबीर और जायसी के रहस्यवाद की तुलना कीजिए।

(ii) "तुलसी का अनुभूति पक्ष जितना व्यापक, गम्भीर और मर्मस्पर्शी है, अभिव्यक्ति पक्ष उतना ही पुष्ट और प्रौढ़ है।" इस कथन के आलोक में तुलसी के कला-पक्ष का मूल्यांकन कीजिए।

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

खण्ड - इ

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी **एक** का विस्तार से उत्तर दीजिएः 7×1=7

(i) "घनानन्द प्रेम की पीर के अमर गायक हैं।" इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

(ii) "वीर रस की जैसी सर्वांगपूर्ण अभिव्यक्ति भूषण के काव्य में दृष्टिगोचर होती है, वैसी अन्यत्र दुर्लभ है।" सिद्ध कीजिए।

https://www.ccsustudy.com
https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com
Whatsapp @ 9300930012
Send your old paper & get 10/-
अपने पुराने पेपर्स भैजे और 10 रूपये पार्ये,
Paytm or Google Pay से

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

N (Printed Pages 7)

(20317) Roll No..................

B.A.- I Year (Regular)

RUS-4889

B.A. Annual (Regular) Examination, 2017

(For Regular Students Only)

HINDI-II

(हिन्दी नाटक एवं रंगमंच)

(A-114)

(Unified Syllabus)

Time : Three Hours] *[Maximum Marks : 50*

नोट : **प्रथम** प्रश्न **अनिवार्य** है। **सभी** भागों का उत्तर दीजिये। शेष प्रश्न-पत्र **चार** इकाइयों में विभाजित है। प्रत्येक इकाई के प्रश्नों का उत्तर दिये गये निर्देश के अनुसार दीजिए। कुल **पाँच** प्रश्न हल करने हैं।

1. सभी प्रश्नों के लघु उत्तर दीजिए: 2×10=20

(i) नाटक एवं रंगमंच के सम्बन्ध को स्पष्ट कीजिए।

(ii) 'वैदिकी हिंसा हिंसा न भवति' नाटककार का नाम बताइए।

P.T.O.

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

(iii) हरिकृष्ण प्रेमी के दो सामाजिक नाटकों के नाम लिखिए।

(iv) लक्ष्मी नारायण मिश्र के दो एकांकी संग्रहों के नाम लिखिए।

(v) धर्मवीर भारती का जन्म कब और कहाँ हुआ।

(vi) सीमा रेखा एकांकी में चारों भाइयों और उनकी पत्नियों के विचार एक दूसरे से भिन्न क्यों हैं?

(vii) कोमा के अनुसार स्त्रियों को प्रेम करने के अपराध का क्या दण्ड दिया जाता है?

(viii) ध्रुवस्वामिनी नाटक की कथावस्तु का स्रोत क्या है?

(ix) आधे-अधूरे नाटक की नायिका कौन है, उसके चरित्र की दो विशेषताएं लिखिए।

(x) आधे-अधूरे नाटक के नायक का नाम एवं उसके चरित्र की दो विशेषताएं बताइए।

इकाई-एक

2. निम्नलिखित गद्यावतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए: 4

(i) कितना अनुभूतिपूर्ण था वह एक क्षण का आलिंगन। कितने संतोष से भरा था। नियति ने अज्ञात भाव से

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

मानो लू से तपी हुई वसुधा को क्षितिज के निर्जन से सायंकालीन शीतल आकाश से मिला दिया हो। जिस वायुविहीन प्रदेश में उखड़ी हुई साँसों पर बन्धन हो-अर्गला हो, वहाँ रहते-रहते, यह जीवन असह्य हो गया था। 4

अथवा

प्रणय, प्रेम! जब सामने से आते हुए तीव्र आलोक की तरह आंखों में प्रकाश पुंज उड़ेल देता है, तब सामने की सब वस्तुएँ और भी स्पष्ट हो जाती हैं। अपनी ओर से कोई भी प्रकाश की किरण नहीं। तब वही, केवल वही! हो पागलपन; भूल हो; दुःख मिले। उसमें चूकना, उसमें सोच-समझकर चलना, दोनों बराबर हैं।

(ii) क्योंकि मुझे नहीं लगता है कि----कैसे बताऊँ, क्या लगता है? वह जितने विश्वास के साथ यह बात कहता है, उससे......... उससे मुझे अपने से एक अजब सी चिढ़ होने लगती है। मन करता है.......

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

मन करता है आसपास की हर चीज को तोड़-फोड़ डालूँ। कुछ ऐसा कर डालूँ जिससे------ 4

अथवा

यूँ तो जो कोई भी एक आदमी की तरह चलता फिरता, बात करता है, वह आदमी ही होता है........। पर असल में आदमी होने के लिए क्या जरूरी नहीं कि उसमें अपना एक माद्दा अपनी एक शख्सियत हो!

इकाई-दो

3. निम्नलिखित गद्यावतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

(i) कविता तुम्हारे सूने दिलों में संगीत भरती है। स्त्री भी ऊबे हुए मन को बहलाती है। पुरुष जब जीवन की सूखी चट्टानों पर चढ़ता-चढ़ता थक जाता है- 'चलो थोड़ा मन बहलाव ही कर लें'। स्त्री पर अपना सारा प्यार, अपने सारे अरमान निछावर कर देता है; मानो दुनिया में और कुछ हो ही नहीं! 4

अथवा

हमें भी कैद में समझो, बेटी! हमारे गुनाहों ने हमें चारों तरफ से घेर रखा है। जमीर की जंजीरों ने भी हमारे

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

हाथ पैर बांध लिए हैं। हम अब इस दुनिया को आँख उठाकर नहीं देख सकते। जिस सल्तनत को खून से सींच-सींचकर हमने बड़ा किया है, उसे अगर अब आंसुओं से भी सींचना चाहें तो एक पूरी जिन्दगी चाहिए।

(ii) हाँ, हाँ, शादी को ही लीजिए, आप मानते है कि हर एक आदमी को जाति की जिन्दगी में दाखिल होना जरूरी है। जैसा मैं प्रायः कहता हूँ कि दुनिया साझे की दुकान है और हर एक बालिग आदमी का कर्तव्य है कि उसका साझेदार हो। अगर इस कोशिश में आप अपनी जान नहीं खपा देते, तो आप मनुष्य कहलाने का कोई हक नहीं रखते। 4

अथवा

बेटा बड़प्पन बाहर की वस्तु नहीं-बड़प्पन तो मन का होना चाहिए और फिर बेटा घृणा को घृणा से नहीं

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

मिटाया जा सकता। बहू तभी पृथक होना चाहेगी जब उसे घृणा के बदले घृणा दी जायेगी, लेकिन यदि घृणा के बदले उसे स्नेह मिले हो उसकी समस्त घृणा धुंधली पड़कर अवश्य लुप्त हो जायेगी और महानता भी बेटा, किसी से मनवायी नहीं जा सकती।

इकाई-तीन

4. निम्नलिखित प्रश्न का विस्तृत उत्तर दीजिए। 7

ध्रुवस्वामिनी नाटक के आधार पर नाटक की नायिका का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा

'आधे-अधूरे' नाटक के सन्दर्भ में मोहन राकेश की नाट्य कला की समीक्षा कीजिए।

इकाई-चार

5. निम्नलिखित प्रश्न का विस्तृत उत्तर दीजिए। 7

एकांकी कला के तत्वों के आधार पर 'नये मेहमान' एकांकी की समीक्षा कीजिए।

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

अथवा

डॉ. रामकुमार वर्मा का एकांकी के विकास में स्थान निर्धारित कीजिए।

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com
Whatsapp @ 9300930012
Send your old paper & get 10/-
अपने पुराने पेपर्स भैजे और 10 रुपये पार्ये,
Paytm or Google Pay से

https://www.ccsustudy.com